



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरूक ११२०१	०२-०९-२३	०५	३-६

### खाद्य सुरक्षा किसानों के खेत से होकर निकलती है : काम्बोज़/

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधन संरक्षण व फसलों की मुश्विता आज के मुख्य विषय है। फसलों का चक्र अपनाकर व भोजन की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। खेती करने की पुराने पद्धतियों को छोड़कर हमें किसानों को मार्केटिंग और एपी-विजेनेस के लिए प्रेरित करना होगा।

वह कृषि महाविद्यालय के सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला के शुभारम्भ पर बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डा. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि युवाओं की कृषि क्षेत्र में कम रुचि को देखकर विंता भी जताई और उन्होंने युवाओं को आइटी, मोबाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया। कुलपति ने बीते दो सालों में विभिन्न फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को



हृषीकृषि में पुस्तिकार का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

कृषि को व्यवसाय के रूप में विकसित करना समय की मांग : एसीएस सुधीर राजपाल

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति सुधीर राजपाल ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों का अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने को इस संघोड़ी का मुख्य उद्देश्य कहाया। उन्होंने कहा कि समय से पहले योजनाएं बनाकर और खेतीबाड़ी को

एपी-विजेनेस में जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने इस बार बाजार की कफाल में आई अमेरिकन सूडी के प्रकार की वर्च की। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डा. नरहरि बांगड़ ने उन्होंने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जोर दिया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा मिट्टी जाव

प्रयोगशालाएं बढ़ाई गई हैं। इसके तहत मिट्टी में आवश्यकता अनुसार संतुलित पोषक तत्वों का उपयोग किया जा सके। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

J हिसार की अन्य खबरें पढ़ने के लिए देखें  
[www.jagran.com](http://www.jagran.com)

बढ़ाई भी दी। उन्होंने उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन के लिए रोड मैप तैयार करने का भी आह्वान किया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने निदेशलय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जबकि अनुसंधान निदेशक डा. जीत राम

शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक (सांख्यिकी) डा. आरएस सोलंकी ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं व उपलब्धियों के बारे में बताया।

कार्यशाला में मंच का संचालन डा. सुनील ढांडा ने किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डा. एसके पांडुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर रबी व खरीफ की सुधार सहित सम्प्रसिफारिशें नामक पुस्तिका का भी विमोचन किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	०२-०९-२३	०३	३-६

### खेती की पुरानी पद्धतियों को छोड़कर मार्कीटिंग व एग्री बिजनेस की तरफ ध्यान देना होगा : कुलपति

हिसार, १ सितम्बर (ब्लूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज से २ दिवसीय गृज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अविधि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराजा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मैंजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा किसानों



संगोष्ठी में मौजूद कृषि वैज्ञानिक, विशेषज्ञ व अधिकारीयों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधन संरक्षण व फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय है। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। खेती करने की पुराने

पद्धतियों को छोड़कर हमें किसानों को मार्कीटिंग और एग्री-बिजनेस के लिए प्रेरित करना होगा।

उन्होंने युवाओं की कृषि क्षेत्र में कम रुचि को देखकर चिंता भी जताई और उन्होंने युवाओं को आई.टी.,

मोबाइल व फोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आव्यान किया।

कुलपति ने बीते २ सालों में विभिन्न फसलों की १८ नई किस्में देने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को बधाई भी दी और उन्होंने उन्नत किस्मों के बीच उत्पादन के लिए रोड मैप तैयार करने का भी आव्यान किया। उन्होंने कृषि विभाग, हरियाणा और हक्की को एक ही धूरी के पहिए बताया, जिनका एकमात्र लक्ष्य किसानों के हित में काम करना है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर किसानों को फसलों से संबंधित जानकारी देने के लिए लगातार एडवाइजरी जारी कर रहा है।

### कृषि को व्यवसाय के रूप में विकसित करना समय की मांग : सुधीर राजपाल

अतिरिक्त मुख्य संघिय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराजा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने को इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बताया। उन्होंने कहा कि समय से पहले योजनाएं बनाकर और खेतीबाड़ी को एग्री-बिजनेस में जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने खेतीबाड़ी में आने वाली चुनीयों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आई.टी. व कृषि उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आने की जरूरत है। उन्होंने इस बाजार की फसल में आई अमेरिकन सूडी के प्रकाश की चर्चा की।

### पैज़ानिक तरीके से हो खेतीबाड़ी : डा.बांगड़

महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ ने उन्होंने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जार दिया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा मिट्टी जाव प्रयोगशालाएं बढ़ाई गई हैं। जिसके तहत मिट्टी में आवश्यकता अनुसार सुरुचित पाषक तत्वों का उपयोग किया जा सके। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से किसानों के हित में दबाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का लाभ उठाए।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने वर्कशॉप की विस्तृत जानकारी देने हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृत उजाला	02-09-23	02	1-5

आयोजन

एचएयू के वैज्ञानिकों व प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन कर्तृत मंथन

## किसानों को मार्केटिंग व एग्री-बिजनेस के लिए करें प्रेरित

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि महाविद्यालय के सभागार में दो दिवसीय राज्यसंघीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अधिकारी कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया। उन्होंने कहा कि फसलों का चक्र अपनाकर व भोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। खेती करने की पुरानी पद्धतियों को छोड़कर हमें किसानों को मार्केटिंग और एग्री-बिजनेस के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने युवाओं को आईटी, बोवाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया। उन्होंने उन्नत किसीं के बीज उत्पादन के लिए रोड मैप तैयार करने का आह्वान किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एवं महाराणा



एचएयू में पुस्तिका का विमोचन करते यीसी प्रो. बीआर कांबोज, एसीएस सुधीर राजपाल, महानिदेशक नर हरि सिंह बांगड़ व अन्य। लोतपियि

प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति सुधीर राजपाल ने कहा कि समय से पहले योजनाएं बनाकर और खेतीबाड़ी को एग्री-बिजनेस में जोड़कर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। खेतीबाड़ी में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आईटी व कृषि उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आना होगा। बाजरे की फसल में आई अमेरिकन सुंडी के प्रकोप पर विश्वविद्यालय से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद किया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आरएम सौलंकी, डॉ. सुनील ढाड़ा, अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा मौजूद रहे। रबी व खरीफ की सुधार सहित समग्र सिफारिशें नामक पुस्तिका का विमोचन किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१० द१० के भा१२क२	०२-०९-२३	०४	२-७

### कार्यशाला • दो सालों में फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए वीसी ने एचएयू के वैज्ञानिकों को बधाई दी युवा किसान आईटी, मोबाइल और ड्रोन जैसी तकनीक अपनाएं

भारतरत्न विद्यार्थी

देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधन संरक्षण और फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय हैं। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि कॉलेज के सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कही। समारोह में विशेष अतिथि अतिरिक्त

मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल मुख्य राजपाल व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मैजूद रहे। मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि खेती करने की पूर्ण पढ़तियों को छाड़कर हमें किसानों का मर्किटिंग और एसी-बिजेस के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने युवाओं को अहंकारी, मोबाइल व ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर खेती में योगदान के लिए आह्वान किया। कुलपति ने बीते दो सालों में विभिन्न फसलों की 18 नई किस्में देने के लिए विविध कैज़िनिकों को दर्शाया।



**कृषि व्यवसाय रूप में विकसित करना समय की मांग**  
अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विवि, करनाल मुख्य राजपाल ने कृषि क्षेत्र में योगदान करने की जरूरत उद्देश्य बताया। उन्होंने खेतीबाड़ी में आने वाली चूनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, अधिकारियों और आइटी व कृषि उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आने की जरूरत है। कृषि विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने खेतीबाड़ी को वैज्ञानिक तरीके से करने पर जोर दिया।

**विस्तार शिक्षा निदेशक नेती जानकारियाँ:** एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने कर्मशाला की जानकारी देते हुए निदेशक द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में बताया। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक सार्विकी डॉ. अरप्स सोलंकी ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं व उपलब्धियों के बारे में बताया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिपुरा	02-09-23	06	6-8

### खेतों से ही होती देश की खाद्य सुरक्षा : काम्बोज

हिसार । सितंबर (द्वारा)

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला शुरू हुई। इसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बालवानी विश्वविद्यालय, करनाल सुधीर राजपाल व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेतों से होकर निकलती है। संसाधन



हिसार में शुक्रवार को पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। -उप

संरक्षण व फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय है। फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती करके भी संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। सुधीर राजपाल ने कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादकता बढ़ाने

को इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बताया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने वर्कशॉप व अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	01.09.2023	--	--

देश की खाद्य सुरक्षा किसानों के खेत से होकर निकलती है : प्रो. बी.आर. काम्होज एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप, फसलों में नई समग्र सिफारिशों के लिए दो दिन तक करेंगे मंथन

समस्त हरियाणा नूज  
हिसार, १ सिंहबाज़। लीधरी चरण सिंह हरियाणा  
कृषि विक्रियालय के कृषि महाविद्यालय के  
संभागार में जाह से दो दिवसीय सायं सारीय कृषि  
अधिकारी कामशाला का सुभारंभ हुआ, जिसमें  
मुख्य अविष्ट विक्रियालय के कूलपति प्रो.  
बी. आर. काम्पोज रहे, जार्कि विशिष्ट अतिथि  
अतिरिक्त मुख्य मन्त्रिक कृषि एवं किसान कल्याण  
विभाग, हरियाणा एवं कूलपति महाविद्यालय  
वायनाडी विक्रियालय, करनाल सूर्खी राजपाल व  
मझानिटेक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डा.  
नरहरि यासह मूर्कट रहे। मुख्यालिंग प्रो. बी. आर.  
काम्पोज ने कहा कि देश की खात्य सुरक्षा किसानों  
के खेतों में होकर निकलती है। संसाधन मंत्रकारण व  
फसलों की गुणवत्ता आज के मुख्य विषय है।  
फसलों का चक्र अपनाकर व मोटे अनाज की खेती  
करके भी संसाधनों का मंत्रकारण किया जा सकता है।  
खेतों करने की पुराने पद्धतियों को छोड़कर हम  
विकासों को मार्केटिंग और एयो-विज़रेंस के लिए  
प्रेरित करना होगा। उन्होंने युवाओं की कृषि क्षेत्र में  
कम रुचि को देखकर चिंता भी जताई और उन्होंने  
युवाओं को आईटी, नोवाइल व ड्रीन जैसी उत्त  
तकनीकों का उपयोग कर खेतों में योगदान के लिए  
आङ्गन किया। कूलपति ने खेतों दो सालों में विभिन्न  
फसलों की 18 नई किसियां देने के लिए  
विक्रियालय के वैज्ञानिकों को बधाई भी दी और

उड़ानें उत्तम किसानों के बीच उत्तराधान के लिए रोह में पैंप विद्युत करने का भी आवाहन किया। उड़ानें कृषि विभाग, हरियाणा और हजूरी को एक तीस घुरी के पास हैं। बताया, किसानों एक महात्र लक्षण किसानों के हित में काम करता है। उड़ानें बताया कि सभ्य-समय वर किसानों को फसलों से मंभंधित जानकारी देने के लिए लगातार एडवाइजरी जारी कर रहा है। कृषि को व्यवसाय के रूप में विकसित करना सभ्य की मांग : एसीएस मुख्यराजपाल अतिरिक्त मुख्य मन्त्रिवाली कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कूलपाति महाराजा प्रताप वायावाली विभागितालय, करनाल मुख्यराजपाल ने दी दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यालयों के पहले दिन अधिकारियों की भारी संख्या में उपस्थिति देखकर बधाई दी। उड़ानें कृषि क्षेत्र में मशीनोंकरण और नई तकनीकों को अपनाकर उत्तराधान का बधाने को इस समर्पण का मुख्य उद्देश्य बताया। उड़ानें जहा कि सभ्य से पहले योजनाएँ बदलकर और संतोषिताही को एकी-विजिनेस में ओड़ाकर किसानों की आय को बढ़ावा जा सकता है। उड़ानें खेतीबाड़ी में आने वाली चुरूतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों अधिकारियों और अहमी व कृषि दलोंमें से जुड़े विशेषज्ञों को किसानों के हित के लिए एक साथ आने वाले जरूरत है। उड़ानें इस बास बाजारों की फसल में आई अपरिक्रिय मुद्री के प्रक्रोप की चर्चा की और



विश्वविद्यालय से मिले सहयोग के निपुण व्यवाहार किया। महाविद्येशक, चूर्ण एवं किसान कल्याण विभाग और नवरात्रि धार्मिक ने उन्नीसों खेतीशाली हाँड़ों को वैज्ञानिक तरीके से करने पर और दिया, जिसके लिए हरियांग मरकार द्वारा मिट्टी जांच प्रयोगशास्त्र व्यवहार गढ़ दी गई है, जिसके तहत मिट्टी में आवश्यकता अनुसार संयुक्त गोपक तत्वों का उपयोग किया जा सके। उन्होंने राज मरकार की ओर से किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा में बदलाव किया।

उन्होंने कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उत्तम किसानों का साथ उठाए। विश्वविद्यालय के विद्यारथियों की द्वारा योग्य विद्यारथियों की विस्तृत जानकारी देते हुए निर्देशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों वर्षाक अनुसंधान निटेशक डॉ. जीत राम जामा ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं के द्वारा में बदला। चूर्ण विभाग के अधिकारी निटेशक (माइक्रो) डॉ. आर. एस. सोलंकी ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियांग द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं व उपलब्धियों के द्वारा में बदला। कार्यशाला में मंच का संचालन हुआ तथा इसमें किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के. पाटूळा ने व्यवहार प्रस्ताव प्राप्ति किया। इस अवसर पर द्वारा य सुरीक की सुधार सहित सभी मिपारिंग नामक विद्यारथियों का भी विमोचन किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	01.09.2023	--	--

# कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य संवारने के लिए अपार संभावनाएँ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

मिरसा, 1 सितंबर : किसानों को गार्डाइज व आर्थिक स्थिति को समझते हुए आधुनिक कृषि तकनीक विकास करना समय की मांग है। इसके लिए कृषि शिक्षा के महत्व को समझते हुए व स्वयं सूचि के अन्पार कृषि शिक्षा विषय को कारियर के रूप में अपनाए। क्योंकि कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के साथ-साथ संगठित व सहकारी क्षेत्र में भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएँ हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को कारियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अपने कारियर के रूप में अपनाए। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय को

हक्की में स्कूली विद्यार्थियों के लिए कृषि शिक्षा मेला का आयोजन



और गष्टीय उन्नतर कृषि शिक्षा सुनिश्चित कर देश की प्रगति को बनाए रखने में अहम योगदान है। यह शिक्षा भी भविष्य को संवारने के लिए अपार संभावनाएँ है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि शिक्षा मेला में विभिन्न स्कूलों से आए 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित करते कृषि शिक्षा को कारियर के रूप में अपनाने के प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र एक सतत प्रगति पर चलते रहने वाला क्षेत्र है, जिसमें सभी मनुष्य को अपने कारियर के रूप में अपनाए। यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय को

प्रसंस्करण कर उन व सलिलियों को खुगाब होने से बचाना, कृषि क्षेत्र में उपयुक्त मशीनरी का प्रयोग कर लेवर को बचाना जैसे मुख्य मुद्रित शामिल है। कूलपति ने कृषि के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को उपलब्धियों भी गिरावं व विभिन्न महाविद्यालयों में शोध करने के लिए उपलब्ध संसाधनों को जानकारी भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि हक्की प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ है व युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए एग्रो-विजनेस इन्ड्रोशन सेंटर के माध्यम से उनको तकनीकी ज्ञान व डिजिटलिटी की दीर्घि भी दे रहा है। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कृषि विषय को अपने कारियर के रूप में अपनाए। कार्यक्रम के दैरेम विद्यार्थियों को

विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. मांगलसेन कृषि विज्ञान संशोहालय का भ्रष्ट भी करवाया गया, जिसमें उन्हें कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकें, नवाचार, उपकरणों के बारे में बताया गया। यात्रकोत्तर शिक्षा के अधिकारी व आईडीपी के प्रभारी डॉ. कर्डी शर्मा ने स्वागत किया व उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में गिलने वाली विभिन्न स्कॉलरशिप व कैरियरिंग के बारे में जानकारीयों दी। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद जापित किया, जबकि मंच का संचालन डॉ. भूमेंद्र ने किया। इस अवसर पर आईडीपी के नोडल अधिकारी डॉ. सोमवीर महित विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, विभागिक व विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।